टीकाकरण से संबंधित सामान्य पूछे जाने वाले सवाल

1. **मेरे बच्चे को टीकाकरण के क्या लाभ हैं?**

टीकाकरण बच्चे को कुछ विशेष और गंभीर रोगों से सुरक्षा प्रदान करता है, जिनसे संक्रमित होने पर बच्चा गंभीर रूप से बीमार पड़ सकता है या उसकी मृत्यु भी हो सकती है।

2. **इंजेक्शन लगाए जाने वाले स्थान पर दर्द या सूजन हो तो क्या करना चाहिए?**

हेपेटाइटिस-बी, डीपीटी, और आईपीवी जैसी वैक्सीन इंजेक्शन के द्वारा दी जाती हैं। इन वैक्सीन को लगाने के बाद उस जगह पर हल्की लाली, सूजन या दर्द होना आम बात है। यह एक सामान्य प्रतिक्रिया है और आमतौर पर 2–3 दिनों में अपने आप ठीक हो जाती है।
इसका वैक्सीन की गुणवत्ता, सुरक्षा या प्रभाव से कोई लेना-देना नहीं होता।
बच्चे को आराम देने के लिए सूजन वाली जगह पर ठंडे पानी की पट्टी से धीरे-धीरे सिकाई करें और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दी गई पैरासिटामोल की खुराक दें।

अगर सूजन, दर्द या लाली 3 दिन या उससे अधिक समय तक बनी रहे, या बच्चे को तेज़ बुखार या अधिक परेशानी हो, तो तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाएं।

3. **क्या टीकाकरण द्वारा रोग प्रतिरोधक सुरक्षा शिशु में जीवन भर बनी रहती है?**

टीका लगने के बाद जो सुरक्षा मिलती है, वो कई सालों तक बनी रहती है और कई बीमारियों से बचाने में मदद करती है। अगर टीका लगने के बाद भी बच्चे को कोई बीमारी हो जाए, तो उसके लक्षण हल्के होते हैं, उस बच्चे के मुकाबले जिसे टीका नहीं दिया गया हो। कुछ टीकों के लिए, बच्चे को एक तय उम्र में बूस्टर डोज़ दी जाती है, जिससे उसकी बीमारियों से लड़ने की क्षमतालंबे समय तक बनी रहे।

4. **मेरे बच्चे/ शिशु को किस उम्र से टीकाकरण कराया जाना चाहिए?**

बच्चे/शिशुओं को जन्म के तुरंत बाद ही टीका लगवाना शुरू कर देना चाहिए। कुछ ज़रूरी टीके जैसे बीसीजी, पोलियो और हेपेटाइटिस-बी (जो माँ से बच्चे को हो सकता है) — ये सब जन्म के समय ही लगाए जाते हैं, ताकि बच्चा शुरू से ही सुरक्षित रहे।

5. **मेरे बच्चे को सही समय पर टीका लगवाना क्यों आवश्यक है?**

अगर बच्चे को सही समय पर टीका लगवा दिया जाए, तो उसका शरीर बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार हो जाता है। कुछ बीमारियाँ एक खास उम्र में ही हो सकती हैं, इसलिए उसी समय टीका लगवाना ज़रूरी होता है। अगर टीका लगवाने में देरी हो जाए, तो बच्चा अच्छी तरह सुरक्षित नहीं रह पाता और उसे खतरनाक बीमारी होने का खतरा बना रहता है।

6. **बच्चों को एक निश्चित आयु के बाद कुछ टीके क्यों नहीं लगाए जाते हैं?**

हर टीका एक तय उम्र में इसलिए दिया जाता है क्योंकि उसी तय उम्र में उस बीमारी का खतरा सबसे ज़्यादा होता है। जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, उसका शरीर कुछ बीमारियों से खुद ही लड़ना सीख जाता है। अगर बच्चा वो उम्र पार कर चुका है जब बीमारी सबसे ज़्यादा नुकसान कर सकती थी, तो फिर उस टीके की ज़रूरत नहीं होती।

7. **अगर बच्चे का टीका सही समय पर न लग पाए तो क्या करें?**

अगर किसी वजह से कोई टीका छूट गया हो, तो घबराएं नहीं। जितनी जल्दी हो सके, बच्चे को टीका लगवा दे। इसके लिए आप अपने क्षेत्र की आशा या ए.एन.एम. दीदी से बात करें। ध्यान रखें, अगर कोई खुराक छूट जाए तो टीकाकरण की शुरुआत दोबारा करने की ज़रूरत नहीं होती, बस जो टीके बाकी हैं, वही लगवाने होते हैं।

8. **एक नवजात शिशु को कौन-कौन सी वैक्सीन दी जानी चाहिए?**

राष्ट्रीय प्रतिरक्षण कार्यक्रम के अनुसार, चाहे बच्चे का जन्म कहीं भी हुआ हो, उसे तीन वैक्सीन — ओ.पी.वी., बी.सी.जी. तथा हेपेटाइटिस-बी — की एक-एक खुराक दी जानी चाहिए।

9. **क्या एक ही समय पर एक से अधिक टीके लगवाना मेरे बच्चे के लिए सुरक्षित होगा? इसका क्या लाभ है?**

जी हाँ, आपके बच्चे को एक ही समय पर एक से अधिक टीके लगवाना पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका कोई गलत प्रभाव नहीं पड़ता है और न ही किसी दूसरे टीके का असर कम होता है। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अनुसार, एक सत्र में एक से अधिक टीकों का लगाया जाना न केवल सुरक्षित है, बल्कि इससे बार-बार टीकाकरण केंद्र जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे समय भी बचता है और टीकाकरण के लिए लाने और ले जाने के लिए होने वाले सफ़र के खर्च की भी बचत होती है।

10. **यदि शिशु को उस रोग से संक्रमण हो चुका है, जिसके लिए उसका टीकाकरण बाकी है, तो क्या उसे उस रोग से बचाव के लिए टीकाकरण कराया जाना चाहिए?**

जी हाँ, ऐसे मामलों में भी बच्चे को टीकाकरण कराना आवश्यक है। अधिकतर बीमारियों (जैसे डिप्थीरिया, रोटावायरस, खसरा आदि) से होने वाली प्राकृतिक संक्रमण के बाद शरीर में बनी प्रतिरक्षा सीमित समय के लिए ही प्रभावी होती है। इसलिए संक्रमण या रोग हो जाने के बावजूद बच्चे को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अनुसार सभी प्रस्तावित खुराकें समय पर और नियमित रूप से दिलवाना जरूरी होता है।